UPPSC GIC Lecturer

Previous Year Paper

Mains (Essay) 2021

No. of Printed Pages : 3

Serial No. 8211733

GLCT – 51

2020

सामान्य हिन्दी एवं निबन्ध

GENERAL HINDI AND ESSAY

समय : दो घंटे] [अधिकतम अंक : 100

me Allowed : Two Hours] [Maximum Marks : 100

विशेष अनुदेश : (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
(ii) सभी प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके सामने लिखे हैं।
(iii) निर्धारित स्थान को छोड़कर अन्यत्र कहीं भी अनुक्रमांक और नाम, पता, टेलीफोन नम्बर आदि न लिखें।

Specific Instructions : (i) All questions are compulsory.
(ii) Marks allotted for all questions is indicated against it.
(iii) Do not write your Roll No., Name, Address, Telephone No. etc. in any other space except space allowed for it.

प्रथम खण्ड

1. नीचे दिये गए अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िये एवं उससे संबन्धित प्रश्नों के उत्तर दीजिये : 20

एक महान यथार्थवादी लेखक की यह विशेषता होती है कि उसके द्वारा अर्जित परिस्थितियों और चरित्र का स्वाभाविक ~~कलात्मक~~ विकास यदि उसके स्वयं अपने प्रिय पूर्वाग्रहों और पवित्र विश्वासों से टकराता है, तो लेखक अपने पूर्वाग्रहों और विश्वासों को त्यागने में एक क्षण भी नहीं हिचकता। वह वर्णन करता है उस यथार्थ समाज का जिसे वह देखता है, न कि उस आदर्श-समाज का जिसे वह देखना चाहता है। अपने मनोगत विश्व-दृष्टि या दर्शन के प्रति इस प्रकार की निर्ममता ही सभी प्रथम कोटि के यथार्थवादियों की महत्ता की कुंजी है जो उन्हें उन द्वितीय श्रेणी के लेखकों से अलग करती है, जो अपने सामाजिक दृष्टिकोण या विश्व-दर्शन तथा वस्तु-स्थिति में जबर्दस्ती सामंजस्य स्थापित करते हैं। महान यथार्थवादियों द्वारा सर्जित चरित्र एक बार अपने ~~जन्मदाता~~ की कल्पना से जीवन पाकर, तत्पश्चात, उससे मुक्त होकर अपना जीवन मार्ग स्वयं ~~निर्धारित~~ करते हैं। उनका क्रिया-कलाप, उनका विकास, उनका भविष्य अपने जन्मदाता की इच्छा शक्ति

द्वारा नहीं बल्कि अपने सामाजिक और व्यक्तिगत जीवन के अन्तर्द्वन्द्वों और अन्तर्विरोधों द्वारा प्रेरित होता है। सच्चा यथार्थवादी या सचमुच में श्रेष्ठ लेखक उसे नहीं कहा जा सकता जिस लेखक के चरित्रों का विकास स्वयं उस लेखक की इच्छा पर निर्भर करता है।

(अ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए। **4**

(ब) एक श्रेष्ठ लेखक की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। **4**

(स) इस अवतरण का उचित शीर्षक दीजिए। **2**

(द) गद्यांश का मूल-भाव संक्षेप में प्रस्तुत कीजिए। **10**

2. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए। **(1×5=5)**

(अ) इतनी रात गई आप कहाँ थे ?

(ब) बालक सोती नींद से जाग उठा।

(स) हमारे पाठ्यक्रम के दो भाग हुए हैं।

(द) मेरा लक्ष्य केवल विद्या प्राप्ति होगी।

(ज) सावित्री, जो सत्यवान की पत्नी थी, वह एक पतिव्रता नारी थी।

3. निम्नलिखित शब्दों के एक–एक बहुप्रचलित पर्याय शब्द लिखिए। **(1×5=5)**

(अ) अर्क

(ब) मार्तण्ड

(स) आगंतुक

(द) पद्म

(ज) वृत्ति

4. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों का अर्थ स्पष्ट करते हुए वाक्यों में प्रयोग कीजिए। **(1×5=5)**

(अ) एक और एक ग्यारह होना

(ब) चाँदी का जूता पहनाना

(स) थाली का बैंगन

(द) कबहुँ निरामिश होय न कागा

(ज) जंगल में मोर नाचा किसने देखा

5. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कीजिए तथा समास का नाम भी लिखिए। (1×5=5)

(अ) लक्ष्यभ्रष्ट (ब) सुमुखी (स) जल-वायु

(द) यथाविधि (य) अभ्युत्थान

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (1×5=5)

(अ) भक्तिकाल के एक ऐसे प्रमुख कवि का नाम लिखिए जिन्होंने उत्तर प्रदेश की दो मुख्य बोलियों में रचनाएँ की हों।

(ब) 'गधा' का तत्सम रूप लिखिए।

(स) शृंग का तद्भव रूप लिखिए।

(द) पयोद का संधिविच्छेद कीजिए।

(य) प्रेरणार्थक क्रिया का एक उदाहरण दीजिए।

7. निम्नलिखित शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए। (1×5=5)

(अ) दुरावस्था (ब) साम्यता (स) चिन्ह

(द) पैत्रिक (य) अभीष्ठ

द्वितीय खण्ड

(हिन्दी निबन्ध)

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए। इस निबंध की अधिकतम विस्तार सीमा 1000 शब्द होगी। 50

1. विज्ञान की सामाजिकता।
2. भूस्खलन : कारण एवं परिणाम।
3. सांस्कृतिक बहुलता : अर्थ एवं भूमिका।
4. गद्य : जीवन-संग्राम की भाषा।
5. नागरिक-निजता अधिकार : मूल्य एवं महत्त्व।
6. आज़ादी का अमृत महोत्सव।